Coverage For OP Jindal Global University

Publication	Edition	Date	Page No	City
Hindustan	National	09/05/2016	4	NEW DELHI

Readership	Width & Height	Total Size	Ad. Rate/Sq. cm	Total Ad. Value
1993000	4*4(B/W Sq. Cm.)	16	1,000	16,000

Jindal Varsity holds mega IPR Conference in Capital

शिक्षा पर वैश्विक सम्मेलन

नई दिल्ली। सूचना, संचार और टेक्नोलाजी (आईसीटी) सेक्टर के लिए नवोन्मेषण, प्रतिस्पर्धा और विशिष्ट संपदा अधिकारों (आईपीआर) पर नई दिल्ली में हाल ही में एक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसका आयोजन जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के जिंदल इनीशिएटिव ऑन रिसर्च इन आईपी एंड कॉम्पीटिशन (जेआईआरआईसीओ) तथा जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल (जेजीएलएस) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। सांसद और विदेश मामलों पर संसदीय स्थायी समिति के चेयरमैन डॉ. शशि थरूर ने कहा कि भारत शेष विश्व की रफ्तार अभी तक नहीं पकड़ पाया है और सिर्फ 1.6 प्रतिशत कंपनियां पेटेंट के लिए आवेदन कर रही हैं। हमें इसे संवेदनशील बनाने तथा नवोन्मेषण सुरक्षा जारी रखना चाहिए। जेआईआरआईसीओ के सह-संयोजक और सम्मेलन के आयोजक प्रो. (डॉ.) आशीष भारद्वाज ने कहा कि मौजूदा पेटेंट कानून और मानक निर्धारण संगठनों की नीतियों के तहत वैश्विक टेलीकॉम उद्योग ने इतिहास की असाधारण गति से अरबों लोगों के दैनिक जीवन को बदल दिया है। पेटेंट हासिल करने की यही गति इसके पुनर्निर्माण के बजाय इस क्षेत्र में वास्तविक प्रतिस्पर्धा में तैयार की गई है और आपको यह अनुमान नहीं लगाना चाहिए कि ये प्रौद्योगिकियां कहीं और चली जाएं। देश की एक तिहाई से भी कम आबादी के पास इंटरनेट सक्षम फोन है, वहां विकास की बड़ी क्षमता है लेकिन भारतीय कंपनियों द्वारा नवोन्मेषण के प्रति बहुत कम झुकाव डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया की सफलता को गंभीर रूप से कम कर सकता है।

वैश्विक सम्मेलन में संबोधन करते हुए ओ. पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर प्रो. (डॉ.) सी. राजकुमार ने कहा कि इस वैश्विक सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय के एक बड़े प्रयास का हिस्सा है जिसमें एक ही प्लेटफॉर्म के तहत विभिन्न पॉलिसी प्रैक्टिसनर्स और अंशधारकों के अलग-अलग समूहों को एक साथ लाया गया है। उन्होंने कहा कि जेआईआरआईसीओ सम्मेलन अदालतों, प्रतिस्पर्धा आयोग, प्रौद्योगिकी कंपनियों और शिक्षाविदों सहित उन सभी अंशधारकों के लिए एक सुनहरा अवसर है जो देश को तरक्की और विकास में दिलचस्पी रखते हैं और भारत को इनोवेटिव इंडिया में परिणत करने वाले मुख्य मुद्दे पर बात करते हैं।